

स्त

यहूदा में अकाल

1 बहुत समय पहले, जब न्यायाधीशों का शासन था, तभी एक इतना बुरा समय आया कि लोगों के पास खाने के लिये पर्याप्त भोजन तक न रहा। एलीमलेक नामक एक व्यक्ति ने तभी यहूदा के बेतलेहेम को छोड़ दिया। वह, अपनी पत्नी और दो पुत्रों के साथ मोआब के पहाड़ी प्रदेश में चला गया।

2 उसकी पत्नी का नाम नाओमी था और उसके पुत्रों के नाम महलोन और किल्योन थे। ये लोग यहूदा के बेतलेहेम के एप्राती परिवार से थे। इस परिवार ने मोआब के पहाड़ी प्रदेश की यात्रा की और वहीं बस गये।

3 बाद में, नाओमी का पति, एलीमलेक मर गया। अतः केवल नाओमी और उसके दो पुत्र बचे रह गये।

4 उसके पुत्रों ने मोआब देश की स्त्रियों के साथ विवाह किया। एक की पत्नी का नाम ओर्पा और दूसरे की पत्नी का नाम स्त था। वे मोआब में लगभग दस वर्ष रहे,

5 फिर महलोन और किल्योन भी मर गये। अतः नाओमी अपने पति और पुत्रों के बिना अकेली हो गई।

नाओमी अपने घर जाती है

6 जब नाओमी मोआब के पहाड़ी प्रदेश में रह रही थी तभी, उसने सुना कि यहोवा ने उसके लोगों की सहायता की है। उसने यहूदा में अपने लोगों को भोजन दिया है। इसलिए नाओमी ने मोआब के पहाड़ी प्रदेश को छोड़ने तथा अपने घर लौटने का निश्चय किया। उसकी पुत्र वधुओं ने भी उसके साथ जाने का निश्चय किया।

7 उन्होंने उस प्रदेश को छोड़ा जहाँ वे रहती थीं और यहूदा की ओर लौटना आरम्भ किया।

8 तब नाओमी ने अपनी पुत्र वधुओं से कहा, “तुम दोनों को अपने घर अपनी माताओं के पास लौट जाना चाहिए। तुम मेरे तथा मेरे पुत्रों के प्रति बहुत दयालु रही हो। इसलिए मैं प्रार्थना करती हूँ कि यहोवा तुम पर ऐसे ही दयालु हो।

9 मैं प्रार्थना करती हूँ कि यहोवा, पति और अच्छा घर पाने में तुम दोनों की सहायता करे।” नाओमी ने अपनी पुत्र वधुओं को प्यार किया और वे सभी रोने लगीं।

10 तब पुत्र वधुओं ने कहा, “किन्तु हम आप के साथ चलना चाहते हैं और आपके लोगों में जाना चाहते हैं।”

11 किन्तु नाओमी ने कहा, “नहीं, पुत्रियों, अपने घर लौट जाओ। तुम मेरे साथ किसलिए जाओगी? मैं तुम्हारी सहायता नहीं कर सकती। मेरे पास अब कोई पुत्र नहीं जो तुम्हारा पति हो सके।

12 अपने घर लौट जाओ! मैं इतनी वृद्धा हूँ कि नया पति नहीं रख सकती। यहाँ तक कि यदि मैं पुनः विवाह करने की बात सोचूँ तो भी मैं तुम्हारी सहायता नहीं कर सकती। यदि मैं आज की रात ही गर्भवती हो जाऊँ और दो पुत्रों को उत्पन्न करूँ, तो भी इससे तुम्हें सहायता नहीं मिलेगी।

13 विवाह करने से पूर्व उनके युवक होने तक तुम्हें प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। मैं तुमसे पति की प्रतीक्षा इतने लम्बे समय तक नहीं करवाऊँगी। इससे मुझे बहुत दुःख होगा और मैं तो पहले से ही बहुत दुःखी हूँ। यहोवा ने मेरे साथ बहुत कुछ कर दिया है।”

14 अतः झियाँ पुनः बहुत अधिक रोयीं। तब ओर्पा ने नाओमी का चुम्बन लिया और वह चली गई। किन्तु स्त ने उसे बाहों में भर लिया और वहाँ ठहर गई।

15 नाओमी ने कहा, “देखो, तुम्हारी जेठानी अपने लोगों और अपने देवताओं में लौट गई। अतः तुम्हें भी वही करना चाहिए।”

16 किन्तु स्त ने कहा, “अपने को छोड़ने के लिये मुझे विवश मत करो! अपने लोगों में लौटने के लिये मुझे विवश मत करो। मुझे अपने साथ चलने दो। जहाँ कहीं तुम जाओगी, मैं सोऊँगी। जहाँ कहीं तुम सोओगी, मैं सोऊँगी। तुम्हारे लोग, मेरे लोग होंगे। तुम्हारा परमेश्वर, मेरा परमेश्वर होगा।

17 जहाँ तुम मरोगी, मैं भी वहीं मरूँगी और मैं वहीं दफनाई जाऊँगी। मैं यहोवा से याचना करती हूँ कि यदि मैं अपना वचन तोड़ूँ तो यहोवा मुझे दण्ड दे: केवल मृत्यु ही हम दोनों को अलग कर सकती है।”*

घर लौटना

* 1:17: □□□ ... □□□ □□ □□□□ □□ “□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□, जब तक मृत्यु हमें पृथक न करे!

4 बाद में, बेतलेहेम से बोअज़ खेत में आया। बोअज़ ने अपने मज़दूरों का हालचाल पूछा। उसने कहा, “यहोवा तुम्हारे साथ हो!”

मज़दूरों ने उत्तर दिया, “यहोवा आपको आशीर्वाद दे!”

5 तब बोअज़ ने अपने उस सेवक से बातें कीं, जो मज़दूरों का निरीक्षक था। उसने पूछा, “वह लड़की किस की है?”

6 सेवक ने उत्तर दिया, “यह वही मोआबी स्त्री है जो मोआब के पहाड़ी प्रदेश से नाओमी के साथ आई है।

7 वह बहुत सवैरे आई और मुझसे उसने पूछा कि क्या मैं मज़दूरों के पीछे चल सकती हूँ और भूमि पर गिरे अन्न को इकट्ठा कर सकती हूँ और यह तब से काम कर रही है। उसका घर वहाँ है।”

8 तब बोअज़ ने स्त से कहा, “बेटी, सुनो। तुम अपने लिये अन्न इकट्ठा करने के लिये मेरे खेत में रहो। तुम्हें किसी अन्य व्यक्ति के खेत में जाने की आवश्यकता नहीं है। मेरी दासियों के पीछे चलती रहो।

9 यह ध्यान में रखो कि वे किस खेत में जा रही हैं और उनका अनुसरण करो। मैंने युवकों को चेतावनी दे दी है कि वे तुम्हें परेशान न करें। जब तुम्हें प्यास लगे, तो उसी घड़े से पानी पीओ जिससे मेरे आदमी पीते हैं।”

10 तब स्त प्रणाम करने नीचे धरती तक झुकीय। उसने बोअज़ से कहा, “मुझे आश्चर्य है कि आपने मुझ पर ध्यान दिया! मैं एक अजनबी हूँ, किन्तु अपने मुझ पर बड़ी दया की।”

11 बोअज़ ने उसे उत्तर दिया “मैं उन सारी सहायताओं को जानता हूँ जो तुमने अपनी सास नाओमी को दी है। मैं जानता हूँ कि तुमने उसकी सहायता तब भी की थी जब तुम्हारा पति मर गया था और मैं जानता हूँ कि तुम अपने माता—पिता और अपने देश को छोड़कर इस देश में यहाँ आई हो। तुम इस देश के किसी भी व्यक्ति को नहीं जानती, फिर भी तुम यहाँ नाओमी के सात आई।

12 यहोवा तुम्हें उन सभी अच्छे कामों के लिये फल देगा जो तुमने किये हैं। तुम्हें इस्त्राएल का परमेश्वर, यहोवा भरपूर करेगा। तुम उसके पास सुरक्षा के लिये आई हो और वह तुम्हारी रक्षा करेगा।”

13 तब स्त ने कहा, “आप मुझ पर बड़े दयालु हैं, महोदय। मैं तो केवल एक दासी हूँ। मैं आपके सेवकों में से भी किसी के बराबर नहीं हूँ। किन्तु आपने मुझसे दयापूर्ण बातें की हैं और मुझे सान्त्वना दी है।”

14 दोपहर के भोजन के समय, बोअज़ ने स्त से कहा, “यहाँ आओ! हमारी रोटियों में से कुछ खाओ। इधर हमारे सिरके में अपनी रोटी डुबाओ।”

इस प्रकार स्त मजदूरों के साथ बैठ गई। बोअज़ ने उस ढेर सारा भुना अनाज दिया। स्त ने भरपेट खाया और कुछ भोजन बच भी गया।

15 तब स्त उठी और काम करने लौट गई।

तब बोअज़ ने अपने सेवकों से कहा, “स्त को अन्न की ढेरी के पास भी अन्न इकट्ठा करने दो। उसे रोको मत।

16 उसके काम को, उसके लिये कुछ दाने से भी भरी बालें गिराकर, हलका करो। उसे उस अन्न को इकट्ठा करने दो। उस रूकने के लिये मत कहो।”

नाओमी बोअज़ के बारे में सुनती है

17 स्त ने सन्ध्या तक खेत में काम किया। तब उसने भूसे से अन्न को अलग किया। लगभग आधा बूशल जौ निकला।

18 स्त उस अन्न को अपनी सास को यह दिखाने के लिये ले गई कि उसने कितना अन्न इकट्ठा किया है। उसने उसे वह भोजन भी दिया जो दोपहर के भोजन में से बच गया था।

19 उसकी सास ने उससे पूछा, “यह अन्न तुमने कहाँ से इकट्ठा किया है? तुमने कहाँ काम किया? उस व्यक्ति को यहोवा का आशीर्वाद मिले, जिसने तुम पर ध्यान दिया।”

तब स्त ने उसे बताया कि उसने किसके साथ काम किया था। उसने कहा, “जिस व्यक्ति के साथ मैंने काम किया था, उसका नाम बोअज़ है।”

20 नाओमी ने अपनी पुत्रवधु से कहा, “यहोवा उसे आशीर्वाद दे। यहोवा सभी पर दया करता रहता है चाहे वे जीवित हों या मृत हों।” तब नाओमी ने अपनी पुत्रवधु से कहा, “बोअज़ हमारे सम्बन्धियों में से एक है। बोअज़ हमारे संरक्षकों में से एक है”

21 तब स्त ने कहा, “बोअज़ ने मुझे वापस आने और काम करने को भी कहा है। बोअज़ ने कहा है कि मैं सेवकों के साथ तब तक काम करती रहूँ जब तक फसल की कटाई पूरी नहीं हो जाती।”

22 तब नाओमी ने अपनी पुत्रवधु स्त से कहा, “यह अच्छा है कि तुम उसकी दसियों के साथ काम करती रहो। यदि तुम किसी अन्य के खेत में काम करोगी तो कोई व्यक्ति तुम्हें कोई नुकसान पहुँचा सकता है।”

17 उसने कहा, “बोअज़ ने यह जौ उपहार के रूप में तुम्हें दिया है। बोअज़ ने कहा, कि आपके लिए उपहार लिये बिना, मुझे घर नहीं जाना चाहिये।”

18 नाओमी ने कहा, “पुत्री, तब तक धैर्य रखो जब तक हम यह सुनें कि क्या हुआ। बोअज़ तब तक विश्राम नहीं करेगा जब तक वह उसे नहीं कर लेता जो उसे करना चाहिए। हम लोगों को दिन बीतने के पहले मालूम हो जायेगा कि क्या होगा।”

4

बोअज़ तथा अन्य ंसम्बन्धी

1 बोअज़ उस स्थान पर गया जहाँ नगर द्वार पर लोग इकट्ठे होते हैं। बोअज़ तब तक वहाँ बैठा जब तक वह निकट सम्बन्धी वहाँ से नहीं गुज़रा जिसका जिक्र बोअज़ ने रूत से किया था। बोअज़ ने उसे बुलाया, “मित्र, आओ! यहाँ बैठो!”

2 तब बोअज़ ने वहाँ गवाहों को इकट्ठा किया। बोअज़ ने नगर के दस अग्रजों (बुजुर्गों) को एकत्र किया। उसने कहा, “यहाँ बैठो!” इसलिये वे वहाँ बैठ गए।

3 तब बोअज़ ने उस निकट सम्बन्धी से बातें कीं। उसने कहा, “नाओमी मोआब के पहाड़ी प्रदेश से लौट आई है। वह उस भूमि को बेच रही है जो हमारे सम्बन्धी एलीमिलेक की है।

4 मैंने तय किया है कि मैं इस विषय में यहाँ रहने वाले लोगों और अपने लोगों के अग्रजों के सामने तुमसे कहूँ। यदि तुम भूमि को खरीदकर वापस लेना चाहते हो तो खरीद लो! यदि तुम भूमि को ऋणमुक्त करना नहीं चाहते तो मुझे बताओ। मैं जानता हूँ कि तुम्हारे बाद वह व्यक्ति मैं ही हूँ जो भूमि को ऋणमुक्त कर सकता है। यदि तुम भूमि को वापस नहीं खरीदते हो, तो मैं खरीदूँगा।”

5 तब बोअज़ ने कहा, “यदि तुम भूमि नाओमी से खरीदोगे तो तुम्हें मृतक की पत्नी मोआबी स्त्री रूत भी मिलेगी। जब रूत को बच्चा होगा तो वह भूमि उस बच्चे की होगी। इस प्रकार भूमि मृतक के परिवार में ही रहेगी।”

6 निकट सम्बन्धी ने उत्तर दिया, “मैं भूमि को वापस खरीद नहीं सकता। यद्यपि यह भूमि मेरी होनी चाहिए थी किन्तु मैं इसे खरीद नहीं सकता। यदि मैं ऐसा करता हूँ, तो मुझे अपनी सम्पत्ति से हाथ धोना पड़ सकता है। इसलिए तुम उस भूमि को खरीद सकते हो।”

7 (इस्राएल में बहुत समय पहले जब कोई व्यक्ति किसी सम्पत्ति को खरीदता या ऋणमुक्त करता था, तो एक व्यक्ति अपने जूते को उतारता था और दूसरे व्यक्ति को दे देता था। यह उनके खरीदने का प्रमाण था।)

8 सो उस निकट सम्बन्धी ने कहा, “भूमि खरीद लो।” तब उस निकट सम्बन्धी ने अपने एक जूते को उतारा और इसे बोअज को दे दिया।

9 तब बोअज ने अग्रजों और सभी लोगों से कहा, “आज आप लोग मेरे गवाह हैं कि मैं नाओमी से वे सभी चीजें खरीद रहा हूँ जो एलीमिलेक, किल्योन और महलोन की हैं।

10 मैं स्त को भी अपनी पत्नी बनाने के लिये खरीद रहा हूँ। मैं यह इसलिए कर रहा हूँ कि मृतक की सम्पत्ति उसके परिवार के पास ही रहेगी। इस प्रकार मृतक का नाम उसके परिवार और उसकी भूमि से नहीं हटाया जायेगा। आप लोग आज इसके गवाह हैं।”

11 इस प्रकार सभी लोग और अग्रज जो नगर द्वार के समीप थे, गवाह हुए। उन्होंने कहा:

यह स्त्री जो तुम्हारे घर जाएगी,
यहोवा उसे राहेल और लिआ
जैसी करे जिसने इस्राएल वंश को बनाया।
हम प्रार्थना करते हैं
तुम एप्राता में शक्तिशाली होओ!
तुम बेतलेहेम में प्रसिद्ध होओ!

12 जैसे तामार ने यहदा के पुत्र पेरेस को जन्म दिया
और उसका परिवार महान बना।
उसी तरह यहोवा तुम्हें भी स्त से कई पुत्र दे
और तुम्हारे परिवार भी उसकी तरह महान हो।

13 इस प्रकार बोअज ने स्त से विवाह किया। यहोवा ने स्त को गर्भवती होने दिया और स्त ने एक पुत्र को जन्म दिया।

14 नगर की स्त्रियों ने नाओमी से कहा,

“उस यहोवा का आभार मानो जिसने तुम्हें ऐसा पुत्र दिया।

यहोवा करे वह, इस्राएल में प्रसिद्ध हो।
 15 वह तुम्हें फिर देगा एक जीवन!
 और बुढ़ापे में तुम्हारा वह रखेगा ध्यान।
 तुम्हारी बह के कारण घटना घटी है
 यह गर्भ में धारण किया उसने यह बच्चा तुम्हारे लिए।
 प्यार वह करती है तुमसे
 और वह उत्तम है तुम्हारे लिए सात बेटों से अधिक।”

16 नाओमी ने लड़के को लिया, उसे अपनी बाहों में उठा लिया, तथा उसका पालन—पोषण किया।

17 पड़ोसियों ने बच्चे का नाम रखा। उन स्त्रियों ने कहा, “अब नाओमी के पास एक पुत्र है!” पड़ोसियों ने उसका नाम ओबेद रखा। ओबेद यिश्शै का पिता था और यिश्शै, राजा दाऊद का पिता था।

स्त और बोअज़ का परिवार

18 पेरैस के परिवार की वंशावली यह है:

हिस्मोन का पिता पेरैस था।

19 एराम का पिता हिस्मोन था।

अम्मीनादाब का पिता एराम था।

20 नहशोन का पिता अम्मीनादाब था।

सल्मोन का पिता नहशोन था।

21 बोअज़ का पिता सल्मोन था।

ओबेद का पिता बोअज़ था।

22 यिश्शै का पिता ओबेद था।

दाऊद का पिता यिश्शै था।

पवित्र बाइबल

The Holy Bible, Easy Reading Version, in Hindi

copyright © 1992-2010 World Bible Translation Center

Language: हिंदी (Hindi)

Translation by: World Bible Translation Center

License Agreement for Bible Texts World Bible Translation Center Last Updated: September 21, 2006 Copyright © 2006 by World Bible Translation Center All rights reserved. These Scriptures: • Are copyrighted by World Bible Translation Center. • Are not public domain. • May not be altered or modified in any form. • May not be sold or offered for sale in any form. • May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online ad space). • May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included. • May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation. Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com. World Bible Translation Center P.O. Box 820648 Fort Worth, Texas 76182, USA Telephone: 1-817-595-1664 Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE E-mail: info@wbtc.com WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: <http://www.wbtc.org>

2019-11-15

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 18 Apr 2025 from source files
dated 13 Dec 2023

7f0fcd5b-bc85-55f6-933a-0de82e7ef275